Research Paper E-ISSN NO : 2455-295X | VOLUME : 9 | ISSUE : 3 | SPECIAL ISSUE MARCH-2023

भारतीय बैंकिंग क्षेत्र पर कोविड–19 के प्रभाव

डॉ. आशा राठी	सहायक आचार्य, व्यावसायिक प्रशासन विभाग, वाणिज्य एवं प्रबन्ध अध्ययन संकाय, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर
संजु भाटी	शोधार्थी (जेआरएफ), व्यावसायिक प्रशासन विभाग, वाणिज्य एवं प्रबन्ध अध्ययन संकाय, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर

ABSTRACT:

विश्वव्यापी महामारी कोविड–19 ने संपूर्ण अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है, कोई भी क्षेत्र इससे अछूता नहीं है। भारतीय अर्थव्यवस्था के प्राथमिक, द्वितीयक एवं तृतीयक (सेवा) तीनों ही क्षेत्र इससे प्रभावित हुए है। भारतीय अर्थव्यवस्था में बैंकिंग प्रणाली का महत्वपूर्ण स्थान है। बैंकिंग उद्योग अर्थव्यवस्था के सेवा क्षेत्र के सबसे महत्वपूर्ण भागों में से एक हैं। बैंक विभिन्न लोगों को उनकी आवश्यकता अनुसार वित्तीय सेवाएं प्रदान करता है इसलिए बैंकिंग व्यवस्था का सुचारू होना आवश्यक है। उधारकर्ताओं को नौकरी छूटन एवं व्यवसायों को कम बिक्री और लाभों में गिरावट के कारण वित्तीय समस्याओं का सामना करना पड़ा। बैंकिंग क्षेत्र पर कोविड–19 का प्रभाव जैसे मांग में भारी गिरावट, कम आय, उत्पादन बंद होना, स्टाफ की कमी, अपर्याप्त डिजिटल परिपक्वता, ऋण वापसी में कमी के रूप में देखा गया। अधिकांश भारतीय बैंक एनपीए, डूबत ऋण, ग्राहक धोखाधड़ी, ऋण वसूली न होने जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। कोविड–19 से बैंकों की समस्याएं ओर बढ़ गयी है। कोविड–19 ने ई–बैंकिंग को बढ़ावा दिया है। इस अध्ययन का उद्धेश्य उपलब्ध द्वितीयक समंकों के आधार पर भारतीय बैंकिंग क्षेत्र पर कोविड–19 के प्रभाव का पता लगाना है।

KEYWORDS:

कोविड–19, महामारी, अर्थव्यवस्था, बैंकिंग क्षेत्र, लॉकडाउन, वित्तीय सेवाएं।

परिचय

कोरोना वायरस रोग की पहचान पहली बार दिसंबर, 2019 में हुबाई चीन की राजधानी वुहान में हुई और पूरी दुनिया में फैल गया। इसके संक्रमण और मृत्यु दर में वृद्धि को देखते हुए विश्व स्वास्थय संगठन ने 11 मार्च 2020 को इसे महामारी घोषित किया। कोरोना वायरस विषाणुओं का बहुत बड़ा परिवार है, इसकी फैलने की गति बहुत तेज है। यह सामान्य सर्दी से लेकर गंभीर बीमारी तक कुछ भी पैदा कर सकता है। इसे पूरे देश में फैलने से रोकने के लिए भारत सरकार ने 24 मार्च, 2020 को लॉकडाउन की घोषणा की। कोविड–19 के लक्षण परिवर्तनशील होते हैं, लेकिन इसमें अक्सर बुखार, खांसी, सिरदर्द, थकान, सांस लेने में कठिनाई, गंध की कमी और स्वाद की हानि शामिल होती है। कोरोना तब फैलता है जब कोई व्यक्ति वायरस से युक्त बूंदों या कणों वाली दूषित हवा में सांस लेता है। कोविड–19 से बचाव हेतु कई कोविड–19 टीको को विभिन्न देशों में अनुमोदित एवं वितरित किया गया। बड़े पैमाने पर टीकाकरण अभियान चलाए गए। अन्य निवारक उपायों में सामाजिक दूरी, क्वारंटीन, इनडोर वेंटिलेशन, खांसी व छींक को ढंकना, हाथ धोना और बिना हाथ धोए चेहरे से दूर रखना, फेस मास्क लगाना आदि शामिल है।

बैंक एक ऐसी संस्था है जिसका प्राथमिक कार्य जमा स्वीकार करना और जरूरतमंद व्यक्तियों, व्यवसायों और सरकारों को धन उधार देना है इसके अलावा बैंक कई सेवाएं प्रदान करता हैं जैसे ऋण सुविधाएं, सावधि जमा योजनाएं, डेबिट और क्रेडिट कार्ड सुविधाएं, ऑनलाइन बैंकिंग सुविधाएं आदि। भारतीय अर्थव्यवस्था में बैंकिंग प्रणाली का महत्वपूर्ण स्थान है। बैंकिंग उद्योग अर्थव्यवस्था के सेवा क्षेत्र के सबसे महत्वपूर्ण भागों में से एक हैं। बैंक विभिन्न लोगों को उनकी आवश्यकता अनुसार वित्तीय सेवाएं प्रदान करता है।

साहित्य की समीक्षा

- **Dr. Asif Perwej (Oct, 2020)** इस पत्र में कोविड–19 महामारी के भारतीय बैंकिंग प्रणाली पर प्रभावों का अध्ययन किया गया है। अध्ययन का उद्धेश्य बैंकिंग एवं वित्तीय क्षेत्र पर कोविड–19 के प्रभावों को प्रदर्शित करना है। भारतीय बैंकों पर कोविड के प्रभाव के कारण डिजिटलीकरण एवं परिचालन के लिए अनुकूलतम कदम उठाने के प्रयास किए गए हैं।
- **Dr. Priyanka Bobade, Prof. Anu Alex (Dec, 2020)** इस शोध पत्र का उद्धेश्य कोविड–19 के कारण भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अपनी नीतियों में किए गए परिवर्तनों एवं भारतीय बैंकिंग क्षेत्र पर कोविड–19 के प्रभावों का अध्ययन करना है। शोध में पाया गया कि भारतीय बैंकिंग प्रणाली ने कोविड–19 के कारण बैंकिंग प्रणाली के सुचारू एवं प्रभावी संचालन के लिए कई उपाय जोड़े है। अधिकांश भारतीय बैंक एनपीए, डूबत ऋण, ग्राहक धोखाधड़ी, ऋण वसूली न होने जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। कोविड–19 से बैंकों की समस्याएं ओर बढ़ गयी है।
- **Dr. Jitender Singh and Dr. B. S. Bodla (2020)** इस लेख में लॉकडाउन क कारण बैंकों और गैर–बैंकिंग वित्तीय संस्थाओं पर महामारी के प्रभावों का आकलन किया गया है। लॉकडाउन जिसके परिणामस्वरूप सभी व्यावसायिक संगठन, शैक्षणिक संस्थान, सार्वजनिक एवं निजी कार्यालय, परिवहन के साधन आदि बंद हो गए। इस संबंध में निष्कर्ष विभिन्न समूहों जिसमें अर्थशास्त्री, वित्तीय संस्थानों जैसे आईएमएफ, विश्व बैंक एवं परामर्श फर्मों द्वारा व्यक्त विचारों पर आधारित है।
- **Vikas Kumar and Sanjeev Kumar (Jan, 2021)** इस लेख में भारतीय अर्थव्यवस्था एवं इसके बैंकिंग क्षेत्र पर कोविड–19 के प्रभावों का अवलोकन किया गया। अध्ययन हेतु कोविड–19 महामारी के प्रकोप पर प्रकाशित विभिन्न शोध लेखों का विश्लेषण किया। इसमें देश की वर्तमान आर्थिक स्थिति को सुधारने हेतु केन्द्र सरकार, राज्य सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा किए गए विभिन्न नीतिगत उपायों का विश्लेषण किया गया है।
- **Ambrish Kumar Mishra, Archana Patel and Sarika Jain (Feb, 2021)** इस लेख में भारतीय बैंकिंग क्षेत्र के निष्पादन पर कोविड–19 के नतीजों को उजागर करने का प्रयास किया गया इसके लिए सबसे बड़े व्यापक ज्ञान आधार जिसे ऑन्टोलोजी कहा जाता है, का निर्माण एवं मूल्यांकन किया उसी को जारी रखते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था के संबंध में कुछ महत्वपूर्ण शोध प्रश्नों को संबोधित किया।
- **Poonam Sharma, & Neha Mathur (May, 2021)** इस पत्र का उद्धेश्य भारतीय बैंकिंग क्षेत्र पर कोविड–19 के प्रभावों का आकलन करना है। इस उद्धेश्य को प्राप्त करने के लिए इंटरनेट की विभिन्न साइटों पर उपलब्ध साहित्यों के आधार पर कुछ निष्कर्ष निकाले गए है। कोविड–19 के कारण प्रौद्योगिकीकरण को बढ़ावा मिला साथ ही साथ बैंकिंग के चार प्रमुख क्षेत्रों नवीन तकनीकी को गले लगाने, डिजिटलीकरण के माध्यम, सुरक्षा, गोपनीयता, ग्राहक विश्वास, नीति एवं अनुपालन के नवीनीकरण पर ध्यान केन्द्रित होगा।
- **Dr. Nilam Panchal (June, 2021)** शोध पत्र कोविड–19 के कारण एनपीए, अग्रिम एवं लाभप्रदता के बीच संबंधों के विश्लेषण एवं भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में भारतीय रिजर्व बैंक तथा सरकार द्वारा किए गए उपायों के प्रभावों को जानने का प्रयास है। अध्ययन हेतु चार भारतीय बैंकों का विश्लेषण किया गया। लाभदायकता पर एनपीए एवं अग्रिम के प्रभाव की जांच के लिए सहसंबंध गुणांक जैसी सांख्यिकीय विधियों का उपयोग कर समंकों का विश्लेषण किया गया।
- **Priya Rupam (May, 2022)** इस पत्र का उद्धेश्य बैंकिंग एवं वित्तीय क्षेत्र पर कोविड–19 महामारी के प्रभावों को प्रदर्शित करना है। अर्थव्यवस्था के दिल के रूप में बैंक निगम एवं व्यक्तियों को वित्त पोषण करता है इसलिए बैंकों की स्थिरता सिस्टम को चालू रखने के लिए के लिए महत्वपूर्ण है।

अध्ययन का उद्धेश्य

इस अध्ययन का उद्धेश्य उपलब्ध द्वितीयक समंकों के आधार पर भारतीय बैंकिंग क्षेत्र

पर कोविड–19 के प्रभाव का पता लगाना है। समंकों का संकलन विभिन्न वेबसाइटों, शोध पत्रों, लेखों, बैंकों के वार्षिक प्रतिवेदनों से किया जाएगा।

भारतीय बैंकिंग क्षेत्र पर कोविड–19 के प्रभाव

विश्वव्यापी महामारी कोविड–19 ने संपूर्ण अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है, कोई भी क्षेत्र इससे अछूता नहीं है। भारतीय बैंकिंग क्षेत्र पर भी कोरोना महामारी का प्रभाव देखा गया। उधारकर्ताओं को नौकरी छूटने एवं व्यवसायों को कम बिक्री और लाभों में गिरावट के कारण वित्तीय समस्याओं का सामना करना पड़ा। बैंकिंग क्षेत्र पर कोविड–19 का प्रभाव जैसे मांग में भारी गिरावट, कम आय, उत्पादन बंद होना, स्टाफ की कमी, अपर्याप्त डिजिटल परिपक्वता, ऋण वापसी में कमी के रूप में देखा गया। अधिकांश भारतीय बैंक एनपीए, डूबत ऋण, ग्राहक धोखाधड़ी, ऋण वसूली न होने जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। कोरोना वायरस के कारण भारतीय बैंकिंग क्षेत्र ने सुधार के लिए डिजिटल मार्केटिंग की ओर रूख किया है। कोविड–19 ने ई–बैंकिंग को बढ़ावा दिया है।

महामारो से संबंधित पहली प्रतिक्रिया के रूप में आपूर्ति श्रृंखला जम गई, मांग में गिरावट आई, और विशेष रूप से संपर्क–गहन सेवाओं पर खर्च करने के अवसरों की कमी के कारण जबरन बचत में वृद्धि हुई। इन कारकों के संगम के परिणामस्वरूप जमा में वृद्धि के बावजूद ऋण वृद्धि में तेज गिरावट आई, जिससे बैंकों का शुद्ध ब्याज मार्जिन प्रभावित हुआ। बांड बाजार में प्रतिफल में गिरावट ने एक आशा की किरण प्रदान की, क्योंकि बैंकों ने अपने व्यापारिक खातों पर मुनाफा दर्ज किया। ऋण स्थगन, संपत्ति की गुणवत्ता में ठहराव और ऋणों के पुनर्गठन जैसे उपायों ने उधारकर्ताओं के साथ–साथ उधारदाताओं को अस्थायी राहत प्रदान की, हालांकि कुछ बैंकों को कम लाभप्रदता का सामना करना पड़ा। बैंकिंग स्टॉक अन्य क्षेत्रों की तुलना में विशेष रूप से प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुए, क्योंकि भविष्य में परिसंपत्ति गुणवत्ता की बाजार कीमत में गिरावट, शेयरधारक के धन और आत्मविश्वास को प्रभावित करने वाली है। (RBI, 2021a)

भारतीय बैंकिंग पर कोविड–19 के अल्पकालीन प्रभाव–

- डाटा/इन्फ्रास्ट्रक्चर तक पहुंचने में असमर्थता
- वित्तीय संस्थाओं के मूल्यांकन में अस्थायी सुधार, रिटर्न में अपेक्षित कमी के साथ
- नियमित संचालन के लिए शाखाओं तक पहुँचने में कठिनाई
- ऋण भुगतान में कमी या चूक
- गैर आवश्यक कार्यों को कम करना
- घरेलू एवं सीमा पार व्यापार में उल्लेखनीय कमी

भारतीय बैंकिंग पर कोविड–19 के दीर्घकालीन प्रभाव–

- वितरित कार्यबल साझा सेवाओं के लिए बढ़ती प्राथमिकता
- डिजिटल लेनदेन की आवश्यकता एवं प्राथमिकता में वृद्धि
- स्वास्थय एवं जीवन बीमा पॉलिसी के लिए बढ़ती प्राथमिकता
- सीमित परिनियोजन अवसरों के कारण अधिशेष पूंजी का संचय
- आय एवं मार्जिन में कमी के कारण ऋण बकायादारों में बढ़ोतरी
- गैर–निष्पादित सम्पत्तियों में वृद्धि

निष्कर्श

कोविड–19 ने विश्व के सभी उद्योगों को प्रभावित किया है। कोविड–19 महामारी के वैश्विक प्रभाव से बैंकों व वित्तीय सेवा क्षेत्र को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए बैंकों को प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना जारी रखना चाहिए और अपने बुनियादी ढांचे में लचीलेपन का निर्माण करना चाहिए। भारत म बैंकिंग सेवाओं को आवश्यक सेवाओं की सूची में शामिल किया गया है। ग्राहकों और कर्मचारियों दोनों के लिए परिचालन और तकनीकी चुनौतियों ने एक आपातकालीन स्थिति का सामना करने के लिए हमारे प्रतिबंध प्रणालियों में एक कमी और चपलता की सामान्य कमी को उजागर किया। वित्तीय संस्थान कर्मचारियों के लिए एक अनुकूल स्वस्थ वातावरण की सुविधा प्रदान करते हैं और काम करने के तरीकों के लिए नई प्रक्रियाओं पर कर्मचारियों को फिर से तैयार करते है। वे डिजिटल चैनलों के माध्यम से ग्राहक–केन्द्रित दृष्टिकोण को बढ़ावा देते हैं। कोविड–19 महामारी के कारण स्थिति में बदलाव को देखते हुए सरकार ने लोगों को नये उद्योग वातावरण के लिए नवीन व्यवसाय मॉडल तैयार करने हेतु प्रोत्साहित किया है। नवीनतम तकनीक का लाभ उठाकर मजबूत डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है।

REFERENCES

1. Dr. Asif Perwej.2020, The Impact of Pandemic Covid-19 on the Indian Banking System. Int J Recent Sci Res. 11(10), pp. 39873-39883. DOI: http://dx.doi.org/10.24327/ijrsr.2020.1110.5578

2. Bobade, Priyanka, and Prof A. Alex. "Study the Effect of Covid-19 in Indian Banking Sector." *JournalNX*, 2020, pp. 179-184.

3. Sharma, Poonam & Mathur, Neha. (2021). covid-19 impact of banking sector.

4. Dr. Nilam Panchal. (2021). IMPACT OF COVID-19 ON BANKING IN INDIA: AN EMPIRICAL ANALYSIS. Towards Excellence: An Indexed, Refereed & Peer Reviewed Journal of Higher Education, 13(2), 446-459.

5. Rupam, Priya. (2022). IMPACT OF COVID-19 ON INDIAN BANKING SYSTEM. EPRA International Journal of Economics, Business and Management Studies (EBMS), 9(5), 40-46.

6. Patel, Archana & Jain, Sarika & Mishra, Ambrish. (2021). Impact of Covid-19 Outbreak on Performance of Indian Banking Sector.

7. Kumar, Vikas & Kumar, Sanjeev. (2021). Impact of Covid-19 on Indian Economy with Special Reference to Banking Sector: An Indian Perspective. 10.1732/IJLMH.25393.

8. Singh, Jitender & Bodla, Bhag. (2020). COVID-19 PANDEMIC AND LOCKDOWN IMPACT ON INDIA'S BANKING SECTOR: A SYSTEMIC LITERATURE REVIEW.

9.https://rbi.org.in/Scripts/PublicationsView.aspx?id=21039

10. https://en.wikipedia.org/wiki/COVID-19